भारत मॉ की आत्मा तडप रही हैं - कण्व आश्रम
(स्थान पर आने के लिए श्री निमन्त्रण)

भारत का नाम भारत : भारत का नाम भारत क्यों पडा, वह उपेक्षित स्थान कहॉ और क्यों हैं हम रोज कहते हैं भारत माता की जय, झंडा उंचा रहे हमारा !

भारत के प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू के रशिया में पहुंचने पर उनके सम्मान में भरतनाट्यम देखने के बाद रशिया के प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति ने जवाहर लाल नेहरू जी से एक साथ वह स्थान देखने की इच्छा व्यक्त की, जहॉ भारत का नाम भारत पडा !

श्री जवाहर लाल नेहरू जी ने उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री सम्पूर्णानंद जी को कण्व आश्रम के पास कोटद्वार (उत्तराखण्ड) भेजा ! जहॉ भारत का नाम भारत पडा ! परन्तु कोई विकास आज तक नही हो पाया जिस कारण भारत मॉ की आत्मा तडप रही हैं व हर रोज हम अपनी भारत मॉ की आत्मा को सम्मान देने की बजाए आपस में ही लडकर रह जाते हैं, दुश्मन हमें हमारे घर में ही पीटने एवं डराने की कोशिश करता हैं ! इसलिए भारत मॉ का सही समय आ गया हैं ! वर्तमान में संत श्री रामानन्द जी नाम के सन्यासी यहॉ निवास करते हैं! जिन्हें शेर समय समय पर दर्शन देते रहते हैं !

मैं आपको इस स्थान के जीर्णोधार के लिए सादर आमंत्रित करता हूॅ ताकि भारत मॉ की तडपती आत्मा शान्त हो जायें व भारत विश्व की महाशक्ति बन जायें !

आपका,

(सत्यप्रकाश रेशू) मो0 9837058160
रेशू चौक, रेशू विहार, सरकुलर रोड,
मुजफफरनगर - (251001) उ0प्र0